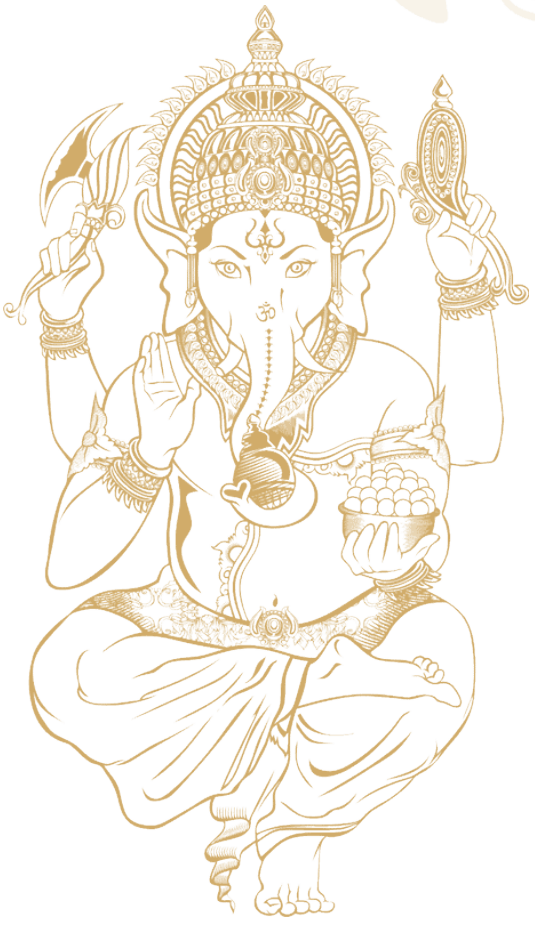

Mr. Yash vats

Ms. Purnima

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120737010

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/06/1998	जन्म तिथि	14-15/11/1998
बुधवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 22:45:00	जन्म समय	03:40:00 घंटे
घटी 43:25:29	जन्म समय(घटी)	52:22:38 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:22:48	सूर्योदय	06:42:56
19:17:55	सूर्यास्त	17:28:02
23:49:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:18

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 10मा 18दि	18:55:14	मक	लग्न	कन्या	18:03:42	चन्द्र 8वर्ष 4मा 1दि
सूर्य	25:47:24	वृष	सूर्य	तुला	28:29:36	राहु
29/04/2024	02:07:25	धनु	चंद्र	कन्या	12:13:02	18/03/2014
29/04/2030	18:32:36	वृष	मंगल	सिंह	29:02:39	17/03/2032
सूर्य 17/08/2024	26:19:29	वृष	बुध	वृश्चि	20:53:58	राहु 28/11/2016
चन्द्र 15/02/2025	02:03:28	मीन	गुरु	कुंभ	24:19:35	गुरु 23/04/2019
मंगल 23/06/2025	19:52:59	मेष	शुक्र	वृश्चि	02:27:04	शनि 27/02/2022
राहु 18/05/2026	06:18:36	मेष	शनि व	मेष	04:37:53	बुध 16/09/2024
गुरु 06/03/2027	10:33:19	सिंह व	राहु व	सिंह	03:50:21	केतु 04/10/2025
शनि 16/02/2028	10:33:19	कुंभ व	केतु व	कुंभ	03:50:21	शुक्र 04/10/2028
बुध 22/12/2028	18:40:41	मक व	हर्ष	मक	15:16:55	सूर्य 29/08/2029
केतु 29/04/2029	07:58:29	मक व	नेप	मक	05:52:23	चन्द्र 28/02/2031
शुक्र 29/04/2030	12:29:48	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:28:56	मंगल 17/03/2032

लग्न-चलित

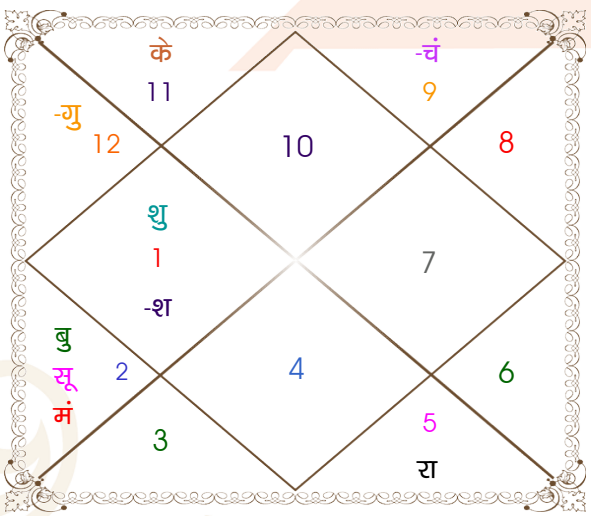

लग्न-चलित

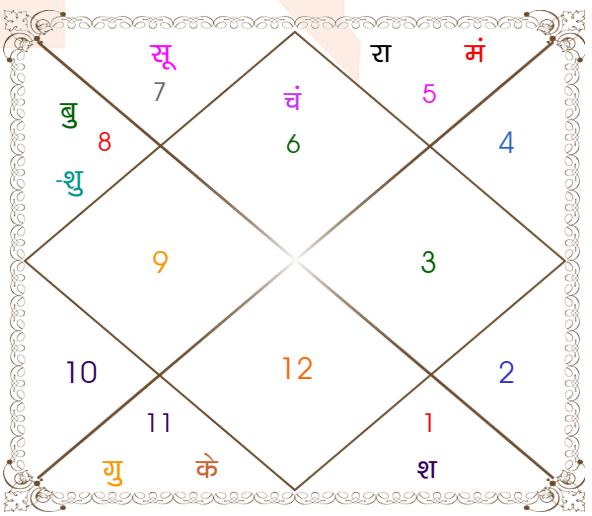

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

डतण लैं अंजे का वर्ग मृग है तथा डेण च्नतदपउं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण लैं अंजे और डेण च्नतदपउं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण लैं अंजे मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डेण च्नतदपउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण च्नतदपउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण लैं अंजे तथा डेण च्नतदपउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।